Formation of Public Opinion

जनमत का निर्माण

Presented by
Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MJMC
Sem-1, Paper- 101
Date- 06/08/2021

जनमत का निर्माण

- जनमत का निर्माण कुछ मान्यताओं पर आधारित होता है। इसके अभाव में जनमत का निर्माण सम्भव नहीं हो पाता है। यह मान्यताएं हैं–
- जनता के सभी सदस्य एक दूसरे के प्रति सहनशील होते हैं। इसमें प्रत्येक व्यक्ति दूसरों के विचार सुनने को तैयार होता है और प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों के समक्ष अपने विचारों को प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता होती है।

जनमत का निर्माण

- इसमें व्यक्ति के विवेचना के द्वारा जो भी निर्णय प्राप्त होता है उसका आदर किया जाता है।
- जिसका बहुमत होता है, वह अल्पमतों के विचार एवं मत का आदर करता है और अल्पमत बहुमत के विचारों, और मतों को बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार करता है।
- जनमत का निर्माण सदस्यों के आपसी सहयोग से होता है।

Important step involved in the Public Opinion

- जनमत निर्माण की प्रक्रिया को निम्न स्तरों में बांटा जा सकता है जैसे कि–

किसी समस्या या मुद्दे का उपस्थित होना (Presence of some problem or issue)

प्राथमिक खोजबीन का स्तर (Preliminary and Exploratory Stage)

सार्वजनिक वाद–विवाद का संगठित स्तर (Structured aspect of Public Discussion)

Important step involved in the Public Opinion

किसी निर्णय पर पहुंचना (Arrival at some argument)

मत निर्धारण का स्तर (The stage of determination of opinion)

कार्य स्वरूप प्रदान करना (Realising in Action)

जनमत निर्माण के साधन

- जनमत निर्माण के प्रमुख साधन होते हैं जो इस प्रकार है–
  - समाचारपत्र एवं पत्रिकाएं (Newspapers and Magazine)
  - रेडियो (Radio)
  - टेलीविजन (Television)
  - सिनेमा (Cinema)
  - डिजिटल मीडिया (Digital Media)
  - जनमत नेता (Opinion Leader)